

448/Sans.

UG/3rd Sem/SANS-P-CC-T-3/22

U.G. 3rd Semester Examination - 2022

SANSKRIT

[PROGRAMME]

Course Code : SANS-P-CC-T-3

Full Marks : 60

Time : 2½ Hours

The figures in the right-hand margin indicate marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. Answer any ten questions of the followings:

2×10=20

নিম্নের যে-কোনো দশটি প্রশ্নের উত্তর দাও :

a) What is 'নান্দী'? Which God is praised in the নান্দীশ্লোক: of 'স্বপ্নবাসবদত্তম্'?

নান্দী কি? 'স্বপ্নবাসবদত্তম্'—নাটকে নান্দীশ্লোকে কোন দেবতার স্তুতি করা হয়েছে?

b) What is the name of বিদূষক: in the drama স্বপ্নবাসবদত্তম্?

'স্বপ্নবাসবদত্তম্'—নাটকে বিদূষকের নাম কি?

c) Write the name of two dramas of ভাস based on রামায়ণ.

ভাসের দুটি রামায়ণাশ্রিত নাটকের নাম লেখো।

d) What is the name of অমাত্য in the drama স্বপ্নবাসবদত্তম্?

'স্বপ্নবাসবদত্তম্'—নাটকে অমাত্য-এর নাম কি?

e) What is the name of কুলপতি in the drama 'অভিজ্ঞানশকুন্তলম্'? In which bank of river was his hermitage situated?

[Turn Over]

- ‘অভিজ্ঞানশকুন্তলম্’—নাটকে কুলপতি-এর নাম কি? কোন্ নদীর তীরে তাঁর আশ্রম ছিল?
- f) Why did পদ্মাবতী go to the hermitage?
পদ্মাবতী কেন তপোবনে গিয়েছিলেন?
- g) What is the name of বীণা of উদয়ন?
উদয়নের বীণার নাম কি?
- h) Mention the eight forms of ‘ঈশা:’.
‘ঈশা’-এর অষ্টতনুর নামগুলি উল্লেখ করো।
- i) Portray the features of the summer day according to অভিজ্ঞানশকুন্তলম্।
অভিজ্ঞানশকুন্তলম্ অনুসারে গ্রীষ্মের দিনের বৈশিষ্ট্যগুলি চিত্রিত করো।
- j) “পুত্রমেব গুণোপেতং চক্রবর্তিনমাপুহি”—Who said this? What does it mean?
“পুত্রমেব গুণোপেতং চক্রবর্তিনমাপুহি”—এটি কার উক্তি? এর অর্থ কি?
- k) “ইদং মাং নিক্ষেপ্তুকাম: আর্য যৌগান্ধরায়ণ:”—Who said this? What is the context of this speech?
“ইদং মাং নিক্ষেপ্তুকাম: আর্য যৌগান্ধরায়ণ:”—এটি কার উক্তি? কোন্ প্রসঙ্গে এই উক্তিটি করা হয়েছে?
- l) “অসাধুদর্শী খলু তত্রভবান্ কাশ্যপ:।”—Who is the speaker? What is the other name of কাশ্যপ:?
“অসাধুদর্শী খলু তত্রভবান্ কাশ্যপ:।”—বস্তু কে? কাশ্যপের অন্য নাম কি?
- m) -Give a pen-picture of পদ্মাবতী।
পদ্মাবতীর পরিচয় দাও।
- n) Who was “যৌগান্ধরায়ণ:”?
“যৌগান্ধরায়ণ:” কে?

2. Answer any four questions: 5×4=20
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলোর যে-কোনো চারটির উত্তর লেখ:

- a) Translate into Bengali or English (any one):
সংস্কৃত থেকে বাংলা অথবা ইংরাজিতে অনুবাদ কর: (যে-কোনো একটি)
- i) इदं किलाव्याज मनोहरं वपुस्तपः क्षमं साधायितुं य इच्छति।
ध्रुवं स नीलोत्पलपत्रधारया शमीलतां छेतुमृषिव्यवस्यति॥
- ii) धीरस्याश्रमसंश्रुतस्य वस्तुतुष्टस्य वनैः फलैः
मानार्हस्य जनस्य वल्कलवतस्त्रासः समुत्पद्यते।
उत्सिक्तो विनयादपेतपुरुषो भाग्यैश्चलैर्विस्मितः।
कोऽयं भो निभृतं तपोवनं ग्रामीकरोत्याज्ञया॥
- b) Explain in Sanskrit or Bengali (any one):
সংস্কৃত অথবা বাংলায় ব্যাখ্যা কর (যে-কোনো একটি):
- i) मानुषीषु कथं वा स्यादस्य रूपस्य संभवः।
न प्रभातरलं ज्योतिरुदेति वसुधातलात्॥
- ii) कालक्रमेण जगतः परिवर्तमाना।
चक्रारपङ्क्तिरिव गच्छति भाग्यपङ्क्तिः॥
- c) “गुणवते कण्यका प्रतिपादनीया”—Write the significance of the remark.
“गुणवते कण्यका प्रतिपादनीया”—উক্তিটির তাৎপর্য লেখো।
- d) Bring out the dramatic significance of the elephant-episode at the end of the first act of অভিজ্ঞানশকুন্তলম্।
‘অভিজ্ঞানশকুন্তলম্’-এর প্রথম অঙ্কের শেষে হস্তী উপাখ্যানের নাটকীয় তাৎপর্য ব্যাখ্যা করো।

- e) Bring out dramatic significance of the episode of 'ब्रह्मचारी' in 'स्वप्नवासवदत्तम्'।

'स्वप्नवासवदत्तम्'—नाটকে 'ब्रह्मचारी' बृञ्जान्त-एर नाटकीय तात्पर्य लेखो।

- f) Write short notes on: (any two)

टीका लेख : (ये-कोनो दुटि) :

सूत्रधारः, कण्वः, सानुमती, यौगन्धरायणः

3. Answer any two questions: 10×2=20

ये-कोनो दुटि प्रश्नेर उत्तर दाओ :

- a) 'स्वप्नवासवदत्तम्'—Write the significance of the title of this drama.

'स्वप्नवासवदत्तम्'—नाटकेर नामकरणेर सार्थकता लेखो।

- b) Discuss in detail about dramatist भास and his works.

नाट्यकार भास ओ तार रचना सम्पर्के बिस्तृत आलोचना करो।

- c) Bring out the dramatic significance of the curse (अभिशापः) of दुर्वासा in अभिज्ञानशकुन्तलम्।

'अभिज्ञानशकुन्तलम्'—नाटके वर्णित दुर्वासार अभिशापेर नाटकीय तात्पर्य लेखो।

- d) "काव्येषु नाटकं रम्यं नाटकेषु शकुन्तला तत्रापि च चतुर्थोऽङ्कस्तत्र श्लोकचतुष्टयम्"।।

—Explain the statement.

"काव्येषु नाटकं रम्यं नाटकेषु शकुन्तला तत्रापि च चतुर्थोऽङ्कस्तत्र श्लोकचतुष्टयम्"।।

—उक्तिटि व्याख्या करो।